

विधेयः Buāg. P. 4, 13, 42. — b) *Herrschaft, Regiment* Kām. Nitis. 14, 12. कुसुमशासनं Glr. 11, 4. शासनं प्रतिगृह्यताम् MBu. 14, 2174. नरे-
श्वराः शासनमुदकृति Spr. (II) 1816. स कृत्वा पृथिवीं कृत्स्नीं शासने R. 7,
67, 6. विनम्रेषधरोप्य शासनम् — मखिलदेशाजसु KATHAS. 20, 225. सक-
लभूषालमस्तकन्यस्त 84, 3. अनन्यशासनमुर्वीम् RAGH. 1, 30. मरुनीय 3,
69. व्याप्तं Mārk. P. 116, 6. तोत्रं MBu. 12, 5230. उय 3, 2155. घ-
त्पुय Buāg. P. 4, 14, 3. ऊर्जितचण्ड 7, 4, 12. ऊर्जित KATHAS. 59, 59.
97, 5. राज्यार्थं *Herrschaft über* MBu. 1, 394. ग्रामशतं KATHAS. 94, 110.
— c) *der schriftliche Befehl eines Fürsten, Edict, Schenkungsedict* Triak. 2, 2, 1. H. an. Mēd. Hān. 175. शासनं लेखयित्वा KATHAS. 124, 62. fgg.
Rāga-Tar. 3, 189. fg. शासनं परे सूत्मान्तरनिवेशितम् Mārk. P. 36, 8. राज्ञः
शासनद्वयकः Mārk. 153, 10. तुलाशासनमानानां कूटकृत् Jāg. 2, 240.
ऊनं वाभ्यधिकं वार्य लिखेद्यो राजशासनम् 295. मरुत्वं शासनशतेन यो-
जयिष्यामि Pāñāt. 4, 25, 5, 2. अपकुरुतु उराशः शासनं ब्राह्मणानाम् ein
auf den Namen von Brahmanen ausgestelltes Schenkungsedict Journ.
of the Am. Or. S. 7, 44. मूद्रं auf den Namen von Cūdra Triak. 2,
2, 1. Verleihung von Ländereien H. an. Mēd. — d) *Anweisung, Ge-
heiss, Gebot, Befehl* AK. 2, 8, 4, 25. H. 277. H. an. Mēd. उत ब्रध-
स्य शासने रणति Rv. 3, 7, 5. Çāñk. Br. 13, 9. MBu. 3, 2277. एत-
च्छासनमिच्छन् Hariv. 14518. शासनं भर्तुरोपसवः R. 2, 68, 20. शासनमा-
ज्ञाय धातुः 32, 1. 34, 12. 52, 70. 58, 23. 89, 9. 3, 31, 8. एवं मम शासनम् 7,
19, 8. न प्राप्ति नृशासनम् 53, 16. यथोक्तं शासनं (Befehl —, Auftrag
seines Fürsten) वेदेत् (दत्तः) Kām. Nitis. 12, 8. (तस्मिन्) मर्कं शासति शा-
सनाङ्गम् RAGH. 18, 28. तस्मिन् अपि देवस्य शासनं प्रमाणिकृतम् Çāk. 78, 19.
वच्छासनं प्रत्यनुरक्ता वयम् Mālav. 73, 14. वात्यं गुरुशासनवर्जितम् Ka-
thās. 27, 166. Weber, Kṛṣṇaṅg. 264. Buāg. P. 2, 9, 18. धृतराष्ट्रस्य शास-
नात् auf Geheiss, auf Befehl MBu. 1, 421. 7105. 3, 1727. 2113. 2276. 2281.
2739. 2978. 13, 3177. R. 1, 1, 30 (32 Gora.). 2, 68, 6. 82, 21. 4, 37, 12.
RAGH. 12, 31. Spr. 3292. Rāga-Tar. 2, 116. मूर्ध्नि धृतराष्ट्रस्य शासनः Ka-
thās. 50, 105. मच्छासनं तु पात्यम् 26, 201. कुर्वति शासनं तस्य dem Befehl
gehören MBu. 7, 1408. R. 1, 64, 5. 67, 27. 2, 21, 8. 45, 9. 105, 37. 7, 16,
48. Mārk. P. 50, 97. तिष्ठेत्तथा च शासने gehorche M. 7, 37. MBu. 2, 1970.
R. 1, 32, 8. Kām. Nitis. 11, 51. Çāk. 88, 16. Vikr. 153. Mārk. P. 99, 24.
Buāg. P. 4, 14, 19. ०वर्तिन् gehorchend KATHAS. 148, 135. मच्छासनपरा-
श्रुतो Buāg. P. 4, 17, 22. न शासनम् । विद्वन्मानमिच्छामि R. 7, 108, 15.
पित्रोःनुज्ञाद्विज्ञातः KATHAS. 56, 162. Buāg. P. 5, 26, 6. 12, 1, 9. मल्लज्ज 4,
4, 14. ०लङ्घन Spr. (II) 1594. मल्लत Rāga-Tar. 1, 99. कुण्ठित 5, 138.
— e) *Unterweisung, Belehrung*: कृत्स्नस्य विदुलापुत्रशासनम् MBu. 1, 333.
कडितोरीवशासनात् weil der Uebergang in ई gelehrt wird Kār. zu P.
3, 2, 129. *Vorschrift, Lehre*: वृद्धानाम् MBu. 3, 3038. सताम् Kām. Nitis.
6, 8. मुकुदामर्थकामानां यो न तिष्ठति शासने wer nicht den Rath befolgt
Spr. 5280. अर्थ = अर्थशास्त्र Mallin. zu Naish. 1, 5. *Lehre* so v. a. *Glaube,
Religion*: प्राक्तं मुगतशासनम् KATHAS. 72, 95. जिन Rāga-Tar. 1, 102.
शिव ० Verz. d. Oxf. H. 238, 6, 3. — Vgl. कूट, ताम्र, उः, धर्म, पाक, 2.
प्रति, ब्रह्म, भीम, मरु, वस्तु.

शासनदेवता f. eine die Befehle eines Arhant's ausführende Göttin
H. 46.

शासनदेवी f. dass. Çāth. 1, 7.

VII. Theil.

शासनधर adj. einen Befehl —, einen Auftrag überbringend; m. Bote
Spr. 2297.

शासनवाक्क dass. Kām. Nitis. 12, 3.

शासनकर् द. ÇKDr. und Wilson.

शासनकारक dass. Kām. Nitis. 12, 3, v. 1.

शासनकारिन् dass. RAGH. 3, 68.

शासनोय (von 1. शास्) adj. zu unterweisen, zu belehren Çāk. 53, 18, v. 1.
गुरोः von einem Lehrer Verz. d. Oxf. H. 238, b, N.

शासितर (wie eben) nom. ag. 1) *Züchtiger, Bestrafer* M. 7, 17. पापा-
नाम् MBu. 12, 7552. Çāk. 24. Sā. zu Rv. 2, 23, 12. — 2) *Herrscher, Ge-
bieter* Rāga-Tar. 4, 645. भूमितुण्डिक KATHAS. 48, 64. — 3) *Unterwei-
ser, Lehrer* Triak. 3, 1, 11. M. 11, 35. RAGH. 1, 92. 3, 11. स्वधर्मस्य M. 2,
150. पतञ्जलिः कथं योगस्य शासिता Sarvadarśanas. 138, 17. fg. — Vgl.
शास्तर.

शासिन् (wie eben) adj. 1) *züchtigend, strafend*: अरि Hariv. 8846.
— 2) *gebietend, herrschend; Herrscher über*: मगधकोसलकेकयशासिना
उक्तिरः RAGH. 9, 22. — Vgl. भुवन.

शासु (wie eben) n. *Anweisung, Gebot*: अस्य शासुभूयसः सचत्ते Rv.
1, 60, 2. अतं तच्छासुंरिव वधिमत्प्याः als wäre es ein Befehl 116, 13. 10,
106, 2. कर्णं शासुंरु किं स्मरथः 9. — Vgl. उःशासु, wie statt उःशासु
zu lesen ist.

शास्तर (wie eben) nom. ag. Uśāval. zu Uṇādis. 2, 94 (शास्तर und
fälschlich शास्त्री). = शासक H. an. 2, 200. Mēd. I. 62. 1) *Züchtiger,
Bestrafer* MBu. 2, 2128 (= 12, 8195. 14, 746). Hariv. 9159. 14622. Spr.
(II) 2173. Rāga-Tar. 6, 27. Prab. 113, 16. Mārk. P. 114, 33. उत्पद्यग-
मिनाम् Buāg. P. 1, 12, 26. 17, 9. 18, 35. 2, 7, 38. 4, 16, 4. — 2) *Gebiet-
er* TS. 5, 7, 4. Maitrāj. 6, 8. MBu. 3, 14971. Hariv. 11297. R. 4, 17, 51.
त्रैलोक्यस्य 7, 59, 2, 36. दुर्गाणां लोकरादीनाम् Rāga-Tar. 6, 176. Prab.
110, 15. Mārk. P. 134, 27. Buāg. P. 5, 10, 24. 6, 2, 3. 3, 4. fgg. 17, 11. —
3) *der einen Befehl zu Etwas ertheilt* Buāg. P. 4, 21, 25. — 4) *Unter-
weiser, Lehrer* Triak. 3, 1, 11. H. 488. MBu. 13, 1877. शास्तरः 2171. 14,
394. 678. Hariv. 15486. धर्म Pāñāt. 4, 10, 14. Verz. d. Oxf. H. 187, a,
No. 427. देवमनुष्याणाम् Buddha Hiouen-thsang 1, 483. — 5) *bildliche
Bez. der Strafe* MBu. 12, 4428. fg. des Schwertes H. c. 143. — 6) *Bez.
eines Buddha* AK. 1, 1, 9. H. 232. H. an. Mēd. — Vgl. शासितर.

शास्ति (wie eben) f. 1) *Bestrafung* Uśāval. zu Uṇādis. 4, 179. H. an.
3, 425. दुष्ट Mārk. P. 132, 20. — 2) *Geheiss, Befehl*: शास्तिं प्राप्यते als
Erklärung von शिष्यते wird angehalten zu Schol. zu Prab. 110, 15.

शास्त्व (von शास्तर) adj. vom Lehrer kommend P. 4, 2, 104, Vārtt.
22, Schol.

शास्त्व n. nom. abstr. von शास्तर 2) Buāg. P. 6, 3, 6.

शास्त्र (von 1. शास्) n. Siddh. K. 249, b, 3. 1) *Anweisung, Vorschrift*
AK. 3, 4, 25, 181. H. an. 2, 462. Mēd. r. 91. नृक् षस्तव नो मम शास्त्रे
अन्यस्य रणयति Rv. 8, 33, 16. ०वर्जित so v. a. für den es kein Gesetz
gibt Spr. (II) 642. चलच्छास्त्र adj. Brahma-P. in LA. (III) 52, 13. — 2)
Unterweisung, Belehrung, ein guter Rath: शास्त्रं न शास्ति दुर्बुद्धिं श्रेयसे
चेतराय च Spr. 5072. श्रुवायः मुकुदं शास्त्रं मर्त्यो न प्रतिपद्यते 5092.
शास्त्रपथे युक्तः MBu. 13, 2171. — 3) *Regel, Leitfaden, Theorie; Lehrbuch,*